



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 141]

नई दिल्ली, शुक्रवार, जनवरी 27, 2012/माघ 7, 1933

No. 141]

NEW DELHI, FRIDAY, JANUARY 27, 2012/MAGHA 7, 1933

संस्कृति मंत्रालय

(भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 20 जनवरी, 2012

का.आ. 159(अ).—केन्द्रीय सरकार ने, भारत का राजपत्र, असाधारण, भाग II, खंड-3, उप-खंड (ii), दिनांक 23 मार्च, 2011 में प्रकाशित भारत सरकार के संस्कृति विभाग (भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण) की 21 मार्च, 2011 की अधिसूचना संख्या का.आ.618 (अ), जिसे प्राचीन संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल और अवशेष अधिनियम, 1958 (1958 का 24) की धारा 4 की उप-धारा (1) यथापेक्षानुसार उक्त अधिसूचना के साथ संलग्न स्थल मानचित्र तथा अनुसूची में विनिर्दिष्ट प्राचीन संस्मारक को राष्ट्रीय महत्व का घोषित करने के अपने आशय की दो मास की सूचना दी थी और उक्त अधिसूचना की एक प्रतिलिपि उक्त संस्मारक के निकट सहज दृश्य स्थान पर चिपका दी गई थी;

और, उक्त राजपत्र अधिसूचना की प्रतियां 26 अप्रैल, 2011 को जनता को उपलब्ध करा दी गई थीं;

और, केन्द्रीय सरकार द्वारा की गई ऐसी घोषणा पर जनता से कोई आपत्ति प्राप्त नहीं हुई;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार प्राचीन संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल एवं अवशेष अधिनियम 1958 (1958 का 24) की धारा 4 की उप-धारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एतद्वारा इसके साथ संलग्न स्थल मानचित्र तथा अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त प्राचीन संस्मारक को राष्ट्रीय महत्व का घोषित करती है।

अनुसूची

राज्य	जिला	तहसील	परिक्षेत्र	संस्मारक/स्थल का नाम	संलग्न स्थल रेखांक के अनुसार संरक्षण में शामिल की जाने वाली सं.	क्षेत्रफल हेक्टेयर में	स्वामित्व	सीमाएं	टिप्पणियां
उत्तर प्रदेश	इलाहाबाद	सोरांव	सिंगरौर/ (शंकरपुर)	प्राचीन स्थल	खसरा संख्या 1192/1 का भाग	0.2800	बंजर (उत्तर प्रदेश सरकार)	उत्तर: खसरा संख्या 1192/2 1188, 1189, 1190, 1196, 1197, 1202, का भाग	यद्यपि भूमि का कुछ भाग स्थानीय व्यक्तियों के नाम से है, परंतु स्थल पूर्णतया भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के अधीन है।
					खसरा संख्या 1193	0.756	श्री राम स्वरूप/पिता श्री गजाई		
					खसरा संख्या 1201	0.2186	श्री बच्चू / पिता श्री जीवराम		
					खसरा संख्या 1202 का भाग	0.1811	बंजर, श्री माताई / पिता श्री महादेवी	पूर्व: खसरा संख्या 1204 का भाग	
					खसरा संख्या 1203	0.1369	श्री राम स्वरूप		
					खसरा संख्या 1204 का भाग	4.03625	आबादी	दक्षिण: खसरा संख्या 1205 का भाग	
					खसरा संख्या 1205 का भाग	3.6429	पशुचर भूमि, श्री उमानाथ सिंह पिता श्री उचित सिंह, श्री हरिशंकर पिता श्री टीकम सिंह और नवीन परती	पश्चिम: गंगा नदी	
					कुल क्षेत्रफल	9.24995	हेक्टेयर		

MINISTRY OF CULTURE
(Archaeological Survey of India)
NOTIFICATION
New Delhi, the 20th January, 2012

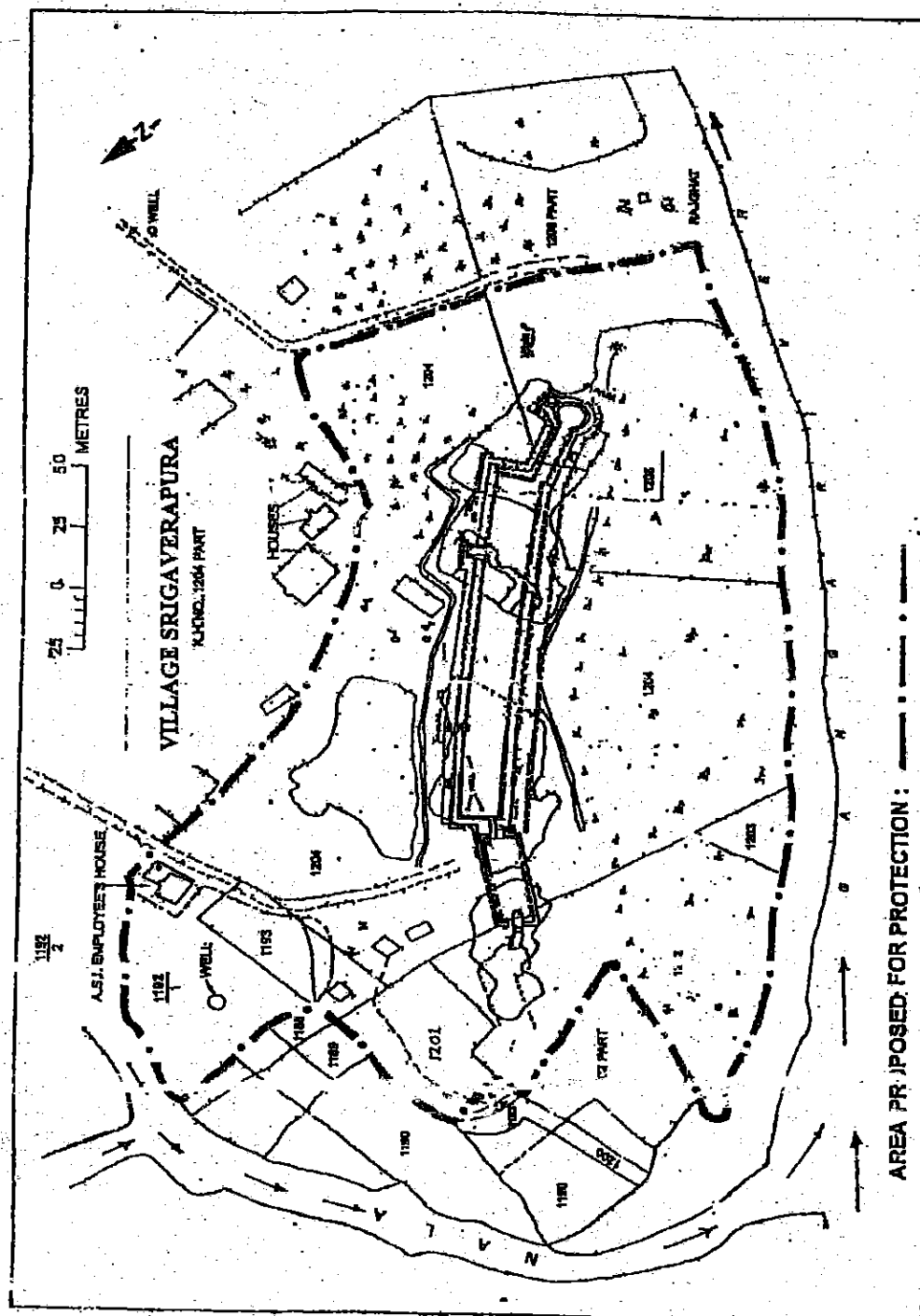
S.O. 159(E).— Whereas by the notification of the Government of India in the Department of Culture (Archaeological Survey of India) number S.O. 618(E) dated the 21st March 2011 published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, section 3, sub-section (ii) dated the 21st March 2011 issued in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 4 of the Ancient Monuments and Archaeological Sites and Remains Act, 1958 (24 of 1958), the Central Government gave two months' notice of its intention to declare the ancient monument specified in the Site Plan and the Schedule to the said notification to be of national importance and a copy of the said notification was affixed in a conspicuous place near the said ancient monument;

And, whereas copies of the said Gazette Notification was made available to the public on 26th April 2010;

And, whereas, no objections have been received from the public to the making of such declaration by the Central Government;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 4 of the Ancient Monuments And Archaeological Sites And Remains Act, 1958 (24 of 1958), the Central Government hereby declares the said ancient monument specified in the Site Plan and the Schedule annexed hereto, to be of national importance.

Ancient site, Singraur/Singverpura, Sorāon, District Allahabad
(Uttar Pradesh)
Site Plan



AREA PROPOSED FOR PROTECTION : — — — — —

[F. No. 2/22/2004-M]

GAUTAM SENGUPTA, Director General